स्वेज नहर - निर्माण और महत्व

प्राचीन काल से ही वस्तुओं का आदान-प्रदान समुद्री मार्ग द्वारा होता रहा है। आज भी यह मार्ग सस्ता तथा सुगम है। विश्व का 95% व्यापार आज भी समुद्री मार्ग द्वारा होता है। यही कारण है जिन राष्ट्रों की सीमाएं समुद्र से नहीं लगती है उनका विकास रुक जाता है। इस सब बावजूद प्रत्येक राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महासागरीय जल मार्ग का ही सहारा लेता है।

विश्व में अनेक समुद्री जल मार्ग हैं, उनमें 30 अटलांटिक जल मार्ग, स्वेज नहर मार्ग पनामा नहर केप ऑफ गुड होप मार्ग, 40 अटलांटिक मार्ग प्रमुख है। इनमें सबसे प्रमुख 30 अटलांटिक जल मार्ग है। उसके बाद स्थान आता है स्वेज मार्ग मार्ग का। नीचे मानचित्र में प्रमुख महासागरीय जलमार्ग को दिखलाया गया है -

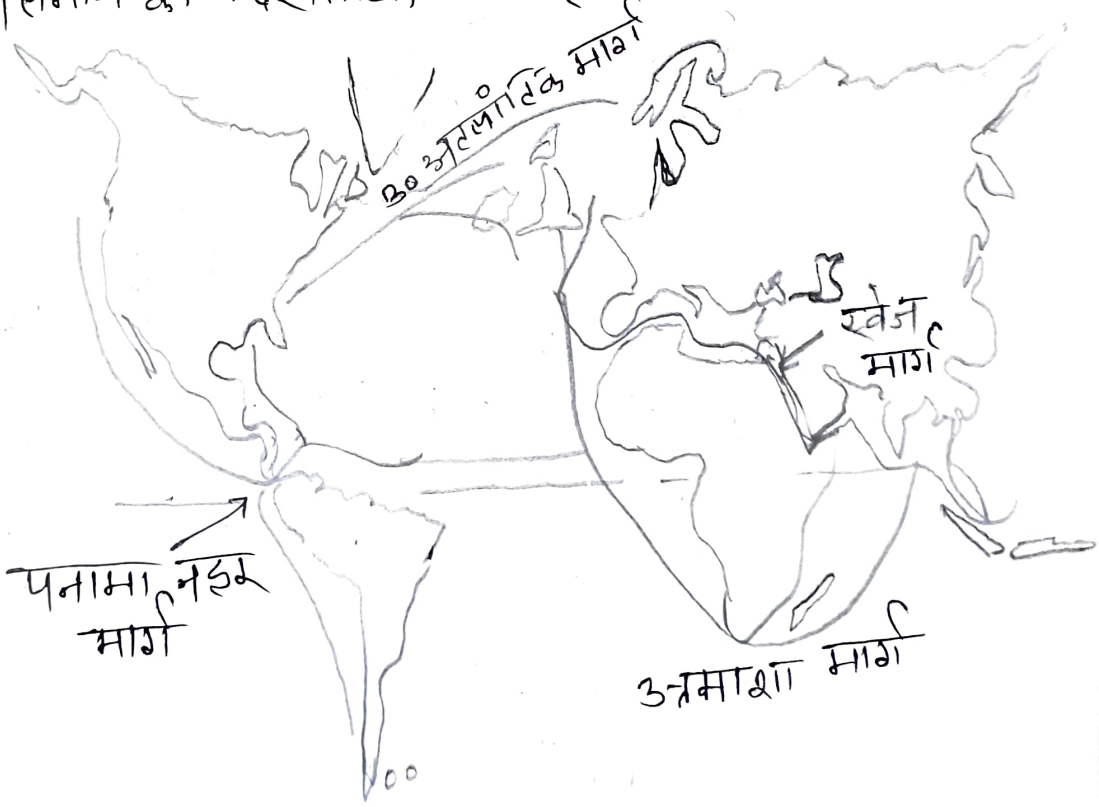

स्वेज मार्ग - यह दुनिया का दूसरा प्रमुख जलमार्ग है। इसका निर्माण, इंजीनियर फर्डिनेण्ड डी-लैसेप्स ने 1858 ई० में शुरू किया था तथा 1869 ई० में यह नहर बन कर तैयार हो गया। वास्तव में यह एक कृत्रिम समुद्र स्तरीय जल मार्ग है जो भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। आरम्भ में इस पर ब्रिटेन का अधिकार था परन्तु 1956 ई० में अरब इज़राइल युद्ध के बाद अब सं० अरब गणराज्य (मिस्र) का कब्जा हो गया है। इस प्रकार यह नहर 168 किमी० लम्बी 11-15 मीटर गहरी तथा 300 मीटर चौड़ा है।

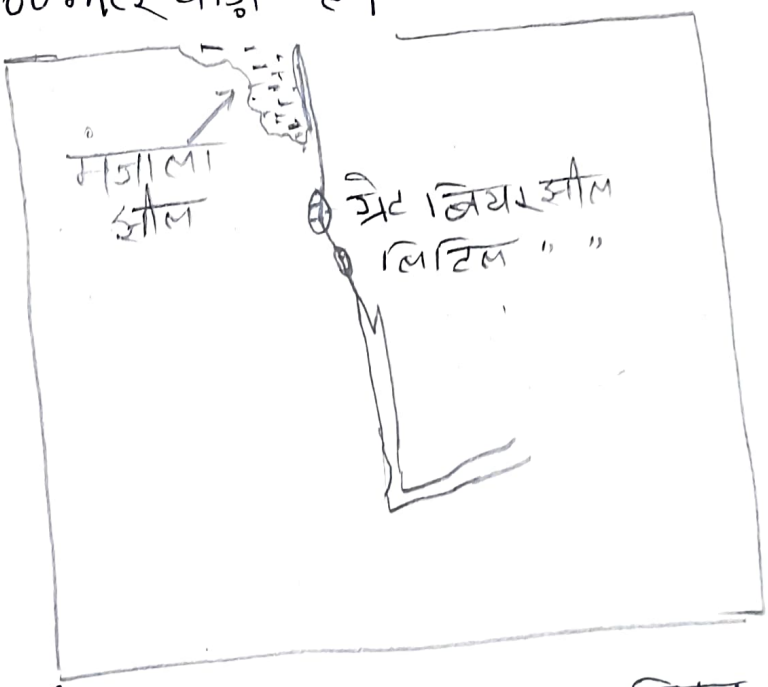

स्वेज नहर की समस्या - यह नहर नुबियन तथा अरब मरुस्थल के समीप स्थित है जिससे कारण, नहर में पानी की उपलब्धता की कमी रहती है। दूसरा कारण नहर की गहराई बनाये रखने के लिये इसका सदैव बालू की उड़ाई करनी पड़ती है। तीसरी समस्या भारी टैक्स की वसूली है।

स्वेज नहर का महत्व-

1. स्वेज नहर के निर्माण से पूर्व सारे जलयान उत्तमाशा अंतरीप से होकर जाते था। इस मार्ग के कारण मुम्बई से लंदन की दूरी 7000 किमी कम हो गयी। इसके चलते जलयान स्वेज नहर मार्ग से ही जाना पसंद करते हैं।

2). स्वेज नहर मार्ग पर ही मध्य पूर्व के खनिज तेल उत्पादक देश अवस्थित हैं। इसलिए विश्व के अधिकांश देश अपने जलयानों से पेट्रोल ले जाते हैं।

3). स्वेज मार्ग के एक ओर (उत्तरी भाग) में द० यूरोप के देश जो अपनी प्रौद्योगिक के लिये विश्व में जाने जाते हैं वहीं दूसरी ओर द० पू० एशिया तथा पूर्वी द्वीप समूह विभिन्न खनिजों नगदी तथा व्यापारिक फसलों के लिये प्रसिद्ध है।

4) इस मार्ग से विश्व की 70% जनसंख्या लाभ उठाती है। इसकारण इसी मार्ग पर दुनिया के सबसे सघन बसे देश हैं।

5) कोयल एवं तेल की सुविधा - इस मार्ग से जानेवाले जलयानों को ईंधन के रूप में कोयल एवं तेल की सुविधाएं उपलब्ध है।

उपर्युक्त महत्व को देखते हुए स्वेज मार्ग उ० अटलांटिक जल मार्ग के

बाद दूसरा महत्व पूर्ण समुद्री जल मार्ग है।